... गच्छाधिपतिनो जय हो जय हो ...

तर्ज: ( )

तुज कीर्तिथी शोभे जिनशासन..
तुज कृपाथी महेके जिनशासन..
तुज संयम-जीवनथी झळके जिनशासन..
तुज ज्ञान-गंगाथी चहेके जिनशासन..
वात्सल्यमूर्ति, कल्याणकारी, निराधारनो आधार,
ऋणी रहीशुं तारा सदा, तारा अनंत उपकार,
जयघोष सुरीश्वरनो जय हो जय हो...
गच्छाधिपतिनो जय हो जय हो...

धन्य थई पाटणनी धरा, तुज सम वीरना जन्मथी,
दूर थयो अंधरकार, तेजस्वी जवाहरना तेजथी,
उद्घोष थयो, जयघोष थयो, संयमना शंखनादथी,
लोक, परलोक, त्रिलोक गुंज्या, विजय जयघोषनादथी,
सिद्धांत दिवाकर, समदर्शी, निराधारनो आधार,
ऋणी रहीशुं तारा सदा, तारा अनंत उपकार,
जयघोष सुरीश्वरनो जय हो जय हो...
गच्छाधिपतिनो जय हो जय हो...

STAVAN STUTI SAJJHAY

क्षमा सौम्यता, उदारता, तुज मुखे शब्द सरस्वती,
कर्युं कराव्युं जिनरसपान, अचल छे तुज सिद्धि,
सोंप्युं जीवननुं श्वासे-श्वास, जिनशासननी प्रीतमां,
युगोयोगों तक गुणला तारा, रहेशे भक्तना चित्तमां,
महा वैरागी, महा प्रभावक, निराधारनो आधार,
ऋणी रहीशुं तारा सदा, तारा अनंत उपकार,
जयघोष सुरीश्वरनो जय हो जय हो...
गच्छाधिपतिनो जय हो जय हो...

Rachna: